

प्रलिमिस फैक्ट: 08 अप्रैल, 2021

- [चनिब पुल](#)

चनिब पुल

(Chenab Bridge)

भारतीय रेल ने जम्मू-कश्मीर स्थिति प्रतिष्ठिति चनिब पुल की मेहराब बंदी का कार्य पूरा कर लिया है।

प्रमुख बद्दि

चनिब पुल

- यह वर्षिव का सबसे ऊँचा रेलवे पुल है और 'ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लकि परियोजना' (USBRL) का हस्तिसा है।
 - इसे मार्च 2002 में राष्ट्रीय महत्व की परियोजना घोषित किया गया था।
- जम्मू-कश्मीर के रायसी ज़िले में बनाया गया यह रेलवे पुल समग्र तौर पर 1,315 मीटर लंबा है और नदी तल से इसकी ऊँचाई 359 मीटर है।
- मेहराब के कार्य का पूरा होना, कटरा से बनहिल तक 111 किलोमीटर लंबे वकराकार खंड को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।
 - यह रेलवे परियोजना अब तक के ज्ञात इतिहास में भारत के समक्ष आने वाली सबसे बड़ी सविलि-इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक है।



पुल की अनूठी विशेषताएँ:

- इस रेलवे पुल को 266 किलोमीटर/घंटा तक की उच्च गतिवाली हवाओं का सामना करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- भारत में पहली बार DRDO के परामर्श से कसी पुल को 'ब्लास्ट लोड' के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- यह पुल उच्चतम तीव्रता वाले ज़ोन-V के भूकंप के झटकों को भी सह सकता है।
- भारत में पहली बार 'वेल्ड परीक्षण' के लिये 'फेज़-एरे अलट्रासोनिक टेस्टिंग' मशीन का प्रयोग किया गया है।
- भारतीय रेलवे ने पहली बार नरिमाण स्थल पर ही 'वेल्ड परीक्षण' के लिये 'राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड' (NABL) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला स्थापित की है।
- इस पुल के नरिमाण के दौरान अत्यधुनकि इंस्टर्मोटेशन के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य निरिशनी और चेतावनी प्रणालियों की योजना बनाई गई है।

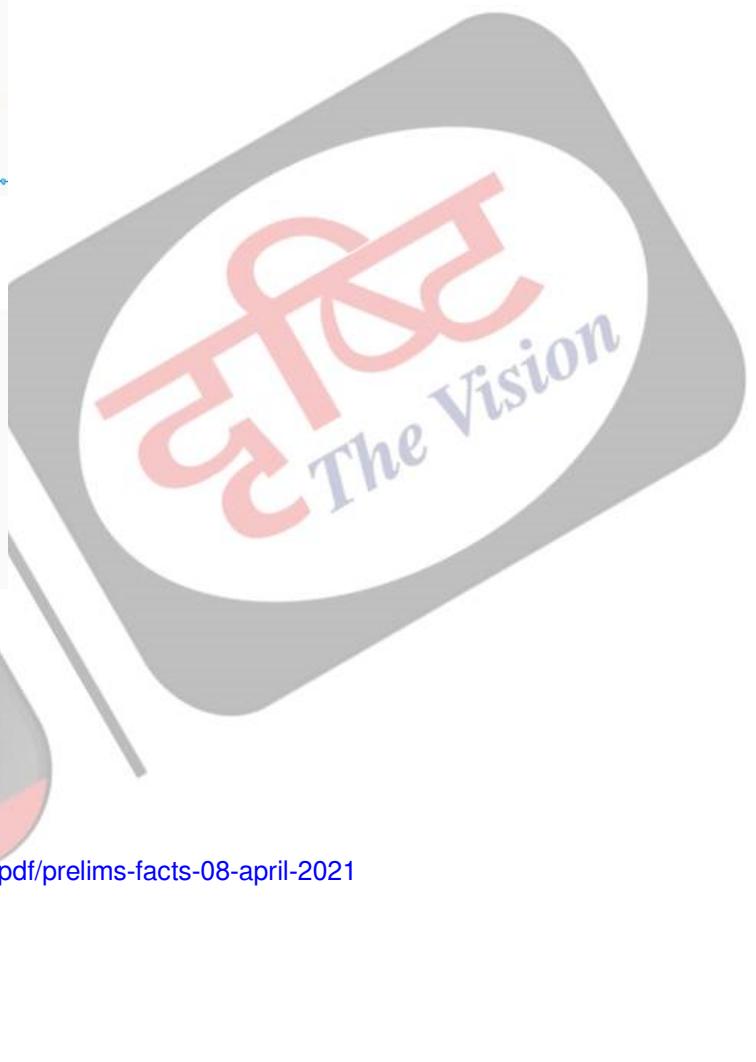
चनिब नदी

- **स्रोत:** इसका उद्गम भारत के हमिचल प्रदेश के लाहूल एवं स्पीति ज़िले में ऊपरी हमिलय के बारालाचा-ला दर्रे के पास से होता है।
 - चनिब नदी हमिचल प्रदेश के लाहूल एवं स्पीति ज़िले के तांडी में कीलोंग के दक्षिण-पश्चिम से 8 किलोमीटर दूर दो नदियों चंद्र एवं भागा के

संगम से बनती है।

- भागा नदी सूर्या ताल झील से निकलती है जो हमियाचल प्रदेश में बारालाचा-ला दररे के पास अवस्थिति है।
- चंद्र नदी का उद्गम बारालाचा-ला दररे (चंद्र ताल के पास) के पूरव के गलेशायरों से होता है।

- **बहाव:** चनिब नदी जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र से बहती हुई पाकसितान के पंजाब के मैदान में प्रवेश करती है और आगे चलकर सतलज नदी में मलि जाती है।
- **चनिब पर कुछ महत्वपूरण परियोजनाएँ/बाँध**
- **रतले हाइड्रोइलेक्ट्रिक परोजेक्ट**
 - सलाल बाँध- हाइड्रोइलेक्ट्रिक परोजेक्ट (रयासी)
 - दुलहस्ती हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट- वदियुत परियोजना (कश्मिर ज़िला)
 - पाकल दुल बाँध (नरिमाणाधीन)- कश्मिर ज़िला



PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-08-april-2021>